Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ ऋषि पंचमी सप्तऋषि पूजा विधि ॥

॥ सप्तऋषिभ्यो नमः ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ पूजा की तैयारी ॥

भाद्रपद शुक्ल पंचमी को ऋषि पंचमी मनाई जाती है। सप्तऋषियों और माता अरुंधती का स्मरण इस पूजा का केंद्र है। पंचमी तिथि तथा स्थानीय पूजा मुहूर्त के लिए अपने शहर का पंचांग देखें।

सप्तऋषियों का स्मरण

एक प्रचलित सूची में कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि और वशिष्ठ के नाम आते हैं। कुछ ग्रंथों और परंपराओं में सप्तऋषियों की सूची भिन्न है। घर की रीति के अनुसार अरुंधती का भी सम्मानपूर्वक पूजन करें।

सामान्य सामग्री

साफ चौकी, सात छोटे प्रतीक या सप्तऋषि का चित्र, अरुंधती का प्रतीक, स्वच्छ जल, फूल, अक्षत, चंदन, धूप, दीप, फल और सात्त्विक नैवेद्य रखें। प्रतिमाएँ न हों तो चित्र या नाम-स्मरण से सरल पूजा करें।

स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें और पूजा स्थान साफ करें। नदी जाना आवश्यक नहीं; घर पर स्वच्छ जल से स्नान और प्रार्थना की जा सकती है।

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ सप्तऋषि पूजन का सरल क्रम ॥

१. संकल्प और आवाहन

चौकी के सामने बैठकर ज्ञान, आत्मसंयम और सबके मंगल के लिए पूजा का संकल्प लें। गणेशजी का स्मरण करके सप्तऋषियों और अरुंधती को प्रणाम करें।

२. जल और पुष्प अर्पण

सातों ऋषियों के नाम एक-एक कर लें और स्वच्छ जल, चंदन, अक्षत तथा फूल अर्पित करें। चित्र पर जल न डालें; जलपात्र सामने रखकर प्रतीकात्मक अर्पण करें। अरुंधती को भी पुष्प अर्पित करें।

३. दीप, कथा और प्रार्थना

धूप-दीप दिखाएँ और फल या नैवेद्य चढ़ाएँ। ऋषि पंचमी की कथा पढ़ें या सुनें। परिवार, शिक्षकों और सभी जीवों के प्रति आदर का भाव रखकर क्षमा और सद्बुद्धि की प्रार्थना करें।

कुछ घरों में विशेष भोजन या उद्यापन की रीति रहती है। उसे अपनी परंपरा और स्वास्थ्य के अनुसार अपनाएँ। कठोर निर्जल उपवास या असुरक्षित पदार्थ का सेवन पूजा की शर्त नहीं है।

॥ सप्तऋषिभ्यो नमः ॥